संस्था का नाम	:	**महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कालेज**
स्थापना वर्ष	:	1962
संस्था का पता	:	**सिविल लाइन्स, गोरखपुर**
शिक्षकों की संख्या	:	33
शिक्षणोत्तर कर्मचारियों की संख्या	:	23
विद्यार्थियों की संख्या	:	1585

उपलब्धियां : परम पूज्य प्रातः स्मरणीय हिन्दुधर्म के अप्रतिम संरक्षक ब्रह्मलीन महन्त अनन्त श्री दिग्विजय नाथ जी महाराज द्वारा स्थापित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अधीन महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कालेज, सिविल लाइन्स गोरखपुर। गोरक्षपीठाधीश्वर परमपूज्य महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज इस विद्यालय के अध्यक्ष तथा प्रबन्धक हैं।

इस विद्यालय में भव्य, उत्तम साज सज्जा और बच्चों की सुरक्षा की उत्कृष्ट व्यवस्था है। सुरक्षा की दृष्टि से विद्यालय में दो गेट की व्यवस्था है। विद्यालय में बच्चों को पढ़ाने के लिए योग्यतम प्रशिक्षित एवं अनुभवी अध्यापिकाएँ हैं। छात्राओं के खेलकूद के लिए पर्याप्त क्रीड़ा क्षेत्र है।

विद्यालय को माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर–प्रदेश द्वारा इण्टर तक की स्थायी मान्यता प्राप्त है। विद्यालय का परीक्षाफल सदैव 99 से 100 प्रतिशत रहता है। इस विद्यालय में कला वर्ग, कामर्स वर्ग एवं विज्ञान वर्ग के विषयों के अध्ययन की सभी सुविधाएँ उपलब्ध है। उच्च कोटि की प्रयोगशालाएँ, एन.सी.सी. कक्ष, खेल सामग्री कक्ष, परीक्षा कक्ष, पुस्तकालय, कम्प्यूटर शिक्षण कक्ष के अतिरिक्त अध्यापन कार्य हेतु 40 कक्ष है।

एन.सी.सी. 15वीं यू.पी.बटालियन के अन्तर्गत छात्राएँ प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। गत् 2003 में विद्यालय की छात्रा कु. प्रेमलता गुप्ता सहारा स्कालरशिप 15000रू. प्राप्त की। अदिति मिश्रा–सहारा स्कालरशिप–12000रू. 2005 प्राप्त की। सीनियर अण्डर अफसर निधि सिंह मुख्य मंत्री पुरस्कार 5000रू. 2004 में प्राप्त की। अण्डर अफसर रश्मि त्रिपाठी–सहारा स्कालरशिप 12000रू.–2006 में प्राप्त की। सुप्रिया त्रिपाठी त्रिपाठी मुख्यमंत्री पुरस्कार 5000रू.–2006 में प्राप्त की। सिनियर अण्डर अफसर ज्योति टामटा बेस्ट कैडिट पुरस्कार–2500रू–2003 में प्राप्त की। सीनियर अण्डर अफसर गुंजन बेस्ट कैडेट पुरस्कार 2500रू.

–2005 में प्राप्त की

कैप्टन श्रीमती मंजू सिंह (वर्तमान प्रधानाचार्य) को उत्तर प्रदेश एवं उत्तरांचल डाइरेक्ट्रेट द्वारा द्वितीय बेस्ट एन.सी.सी. अफसर का अवार्ड मिला है।

2005 में इस विद्यालय की एक छात्रा ने सी.पी.एम.टी. परीक्षा में पाँचवां स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त प्रतिवर्ष अनेक छात्राएँ आई.आई.टी., यू.पी.टी.यू., एन.आई.टी., पालिटेक्निक आदि के परीक्षाओं को उत्तीर्ण कर विद्यालय का नाम रोशन किया। कु. निशा सिंह 'अमर उजाला' की तरफ से बेस्ट छात्रा के रूप में पुरस्कृत हुई। निशा सिंह को 'पावर ऐंजल' के रूप में भी चुना गया है। अवन्तिका यादव पुलिस लाइन में 'आयोजित' हिन्दी भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त की। इंस्पायर कैम्प में रोशनी यादव, ईरम सिद्धिकी, अंकिता गुप्ता 2,40,000 रू. के लिए चयनित की गयीं। इस वर्ष कु. अनुष्का सर्वोच्च पुरस्कार महाराणा मेवाड़ प्राप्त की। इसके अतिरिक्त विगत वर्षों में मानसी यादव, रोशनी यादव, मेनका सिंह में भी महाराणा मेवाड़ प्राप्त किया।

खेलकूद, सांस्कृतिक तथा विभिन्न कार्यक्रमों में जनपदीय, मण्डलीय प्रतियोगिताओं तथा समाजसेवी संस्थाओं द्वारा आयोजित प्रतिस्पद्धाओं में विद्यालय की छात्राएँ सदैव प्रथम स्थान प्राप्त करती रहीं हैं।

गर्ल गाइड में मण्डल स्तर पर विद्यालय की छात्रा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रदेशिय विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यालय की छात्रा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

महारानी लक्ष्मीबाई वाद्यदल प्रतिवर्ष शोभायात्रा पुरस्कार प्राप्त करता है। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड द्वारा 'इको–क्लब' में इस विद्यालय का चयन किया गया है।

इस विद्यालय में कक्षा 6 से 12 तक की छात्राओं को विभाग द्वारा अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ी जाति, अल्पसंख्यकों एंव विकलांग छात्राओं के छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती है।

माननीय मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव द्वारा 19 छात्राओं को 30,000रू. तथा लैपटाप प्रदान किया गया। गोरखपुर महोत्सव में भी छात्राएँ पुरस्कृत हुईं।

इस विद्यालय में बस तथा छात्राओं के लिए साइकिल स्टैण्ड की उचित व्यवस्था है।